राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1280

21 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

'पूर्वोदय' योजना के माध्यम से पूर्वी भारत का त्वरित विकास

1280. डॉ. अमर पटनायक:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार पूर्वोदय: पूर्वी क्षेत्र त्वरित योजना के माध्यम से किन उद्देश्यों को प्राप्त करने का इरादा रखती है;

(ख) उपर्युक्त योजना के लिए अपेक्षित वित्तीय निवेशों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन इस्पात केन्द्रों द्वारा कितने रोजगारों के सृजन की संभावना है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (ग): इस्पात मंत्रालय ने पूर्वी क्षेत्र के विकास पर बल देने के उद्देश्य से ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश में एकीकृत इस्पात हब के विकास को शामिल करते हुए 'पूर्वोदय' पहल की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य लागत तथा गुणवत्ता, दोनों क्षेत्रों में इस्पात उत्पादकों के तीव्र क्षमता संवर्धन को समर्थ बनाना तथा समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एकीकृत इस्पात हब में तीन मुख्य क्षेत्रों पर बल दिया जाएगा: (i) ग्रीनफील्ड तथा ब्राउनफील्ड इस्पात संयंत्रों की स्थापना, (ii) एकीकृत इस्पात संयंत्रों तथा माँग के केन्द्रों के निकट इस्पात कलस्टरों का विकास और (iii) लॉजिस्टिक और जनोपयोगी अवसंरचना में परिवर्तन। इस पहल से न केवल इन तीन मुख्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और निवेश आकृष्ट होंगे बल्कि इससे देश को मूल्यवर्धित इस्पात तथा कैपिटल गुड्स में आत्मनिर्भर बनने और देश के पूर्वी क्षेत्र में रोजगार का सृजन करने में मदद मिलेगी।

****